बी० ए० I
समाजशास्त्र

PAGE NO.
DATE: / /

धर्म (RELIGION)

धर्म मानव समाज का ऐसा व्यापक, स्थाई एवं शाश्वत तत्व है धर्म मानव का अलौकिक शक्ति से सम्बन्ध जोड़ता है। इसका सम्बन्ध मानव की भावनाओं एंव भक्ति से है।

रिलिजन (धर्म) शब्द रेलिगेयर (Religare) से बना है। जिसका अर्थ 'बाँधना' अर्थात मनुष्य को ईश्वर से सम्बन्धित करना।" धर्म शब्द की व्युत्पत्ति संस्कृत भाषा के 'धृ' शब्द से मानी जाती है। जिसका अर्थ 'धारण करना' धर्म की परिभाषा निम्न विद्वानों द्वारा दी है- जो इसप्रकार है—

एडवर्ड टायलर के अनुसार — "धर्म आध्यात्मिक शक्ति में विश्वास है।"

हॉबल के अनुसार — "धर्म अलौकिक शक्ति में विश्वास पर आधारित है जिसमें आत्मावाद और मानावाद दोनों सम्मिलित है।"

सर जेम्स फ्रेजर के अनुसार — "धर्म से---मैं मनुष्य से श्रेष्ठ उन शक्तियों की सन्तुष्टि या आराधना समझता हूँ जिनके सम्बन्ध में यह विश्वास किया जाता है। कि वे प्रकृति एव मानव जीवन को मार्ग दिखाती है और नियन्त्रित करती है।"

धर्म के मौलिक विशेषताएं —

धर्म की उपयुक्त परिभाषाओं से धर्म के कुछ मौलिक लक्षण विशेषताएं परिलक्षित होती हैं। जो इस प्रकार हैं—

अलौकिक शक्ति में विश्वास — एक अलौकिक शक्ति में विश्वास धर्म का सबसे प्रमुख तत्व है। विश्वास के बिना किसी भी प्रकार का धर्म का निर्माण और विकास नहीं हो सकता।

पवित्रता की धारणा — जिस धर्म के लोग मानते हैं उनकी दृष्टि में उस धर्म से सम्बन्धित सब कुछ पवित्र होता है।

प्रार्थना पूजा या आराधना — धर्म में लोग जिस शक्ति में पर विश्वास करते हैं। उससे लाभ उठाने व उसके कोप से बचने हेतु प्रार्थना पूजा तथा आराधना करते हैं।

संवेगात्मक भावनाएं — धर्म भावना प्रधान होता है। तर्क प्रधान नहीं अलौकिक शक्ति के प्रति संवेगात्मक भावना

होती है। जिनकी अभिव्यक्ति उसशक्ति के प्रति श्रद्धा प्रेम आदि के रूप में की जाती है

निषेध - प्रत्येक धर्म में लोगों को व्यवहारों के नाकारात्मक पक्ष को प्रभावित करने की दृष्टि से कुछ निषेध पाये जाते है।

धार्मिक संस्तरण — सामान्यतः प्रत्येक धर्म से सम्बन्धित संस्तरण की एक व्यवस्था पायी जाती है। जिन लोगो को धार्मिक क्रियाए अथवा कर्मकाण्ड कराने के समाज द्वारा निषेध अधिकार प्राप्त होता है। अन्यलोगोंकेतुलना में सांस्कृतिक दृष्टि से उच्च एव पवित्र समझा जाता है।

प्राचार्य
मीरा ... महाविद्यालय
शिक्षण एवं प्रशिक्षण संस्थान
पाण्डेयपुर, ताखा, बलिया